कृशकगण कृशिवानिकी के सच्चे राजदूत–डॉ. अमरेष चन्द्रा

झाँसी। 28 सितम्बर, 2021। केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान, झाँसी में आज ''कृषिवानिकी आधारित नवीन तकनीकियाँ'' विषय पर तीन दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. अमरेश चन्द्रा, निदेशक, भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान, झाँसी ने अपने उद्बोधन में कहा कि किसान भाई नयी तकनीक को देख कर ही विश्वास करें। उन्होंने कहा कि कृषिवानिकी एवं पर्यावरण एक–दूसरे के पूरक हैं तथा प्रशिक्षू किसानों से कृषिवानिकी के राजदूत बन कर अपने क्षेत्र में प्रचार–प्रसार करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये संस्थान के निदेशक डॉ. ए. अरूणाचलम ने कहा कि कृषिवानिकी आधारित नई तकनीकियाँ अपनाकर किसान भाई अपनी आमदनी बढ़ा सकते हैं तथा माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी के मिशन ''हर मेड़ पर पेड़'' को अपने खेतों में अपनाकर कृषिवानिकी विस्तार में योगदान दें। निदेशक महोदय ने मुख्य अतिथि को पृष्पगुच्छ, अंगवस्त्रम एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी के देश के किसानों को सम्बोधित कार्यक्रम को किसान भाईयों तथा संस्थान के सभी कार्मिकों ने ऑन–लाईन माध्यम से सुना। प्रधानमंत्री जी ने कृषिवानिकी पर जोर देते हुये कहा कि इससे पर्यावरण संतुलित एवं सुरक्षित होता है तथा जीवकोपार्जन के साधन भी प्राप्त होते हैं।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्री श्याम बिहारी गुप्त, सदस्य, कृषक समृद्धी आयोग, उत्तर प्रदेश सरकार ने अपने उद्बोधन में कहा कि कृषिवानिकी प्राकृतिक एवं जैविक खेती का ही रूप है, जिससे ऊसर भूमि को उर्वरा भूमि में आसानी से बदला जा सकता है। उन्होंने जीवामृत एवं घन–जीवामृत के बनाने की विधि का विस्तार से वर्णन किया।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सृजन सोसायटी, कानपुर तथा नाबार्ड द्वारा वित्त पोषित है। इस कार्यक्रम में हमीरपुर जनपद, उत्तर प्रदेश के पाँच गाँवों से 25 प्रशिक्षू किसानों ने भाग लिया। सृजन सोसायटी के प्रतिनिधि श्री रजनीश चतुर्वेदी ने सृजन सोसायटी, कानपुर द्वारा कृषक एवं गाँव के विकास के लिए संचालित किये जा रहे कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी।

कार्यक्रम की शुरूआत आई.सी.ए.आर. कुलगीत से की गयी तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम निदेशक डॉ. आर. पी. द्विवेदी ने मंचासीन अतिथियों एवं सभागार में उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों एवं संस्थान के स्टॉफ का स्वागत किया। डॉ. सुशील कुमार यादव ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की विस्तृत रूप–रेखा प्रस्तुत की।

इस कार्यक्रम में संस्थान के सभी वैज्ञानिक, अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. प्रियंका सिंह ने किया।

WELCOME

WELCOME